<u>जनपद बाराबंकी</u>

दिनांक 27.10.2020

बाराबंकी पुलिस की बड़ी कामयाबी, थाना रामसनेहीघाट क्षेत्रान्तर्गत मिले मोटर साइकिल व हेलमेट से जनपद लखनऊ के थाना सरोजनी नगर पर पंजीकृत गुमशुदगी से सम्बन्धित व्यक्ति को किया सकुशल बरामद-

दिनांक-20/10/2020 की सुबह थाना रामसनेहीघाट क्षेत्रान्तर्गत ग्राम भगवानपुर की तरफ जाने वाले रास्ते पर तालाब के किनारे लावारिस हालत में एक मोटर साइकिल हीरो पैसन प्रो UP 30 AM 0145 मिली और पास ही तालाब में एक हेलमेट मिला । प्रभारी निरीक्षक श्री सच्चिदानन्द राय द्वारा गाड़ी नम्बर के आधार पर खोजबीन की गयी तो ज्ञात हुआ कि उक्त मोटरसाइकिल जनपद उन्नाव निवासी राजकुमार की है । इस दिशा में आगे कार्य करते हुए उपरोक्त मोटरसाइकिल के स्वामी राजकुमार से सम्पर्क किया गया तथा स्थिति से अवगत कराते हुए गाड़ी थाना रामसनेहीघाट कैसे आयी?, तो वाहन स्वामी राजकुमार द्वारा बताया गया कि मैं नेचुरल फ्रूट प्रा.लि. लखनऊ में कार्य करता हूं और मेरे साथ ही चंद्रशेखर पुत्र रूप सिंह निवासी फरसो थाना बयाना जिला भरतपुर भी कार्य करता है । दिनांक 19/10/20 को चंद्रशेखर पुत्र रूप सिंह निवासी फरसो थाना बयाना जिला भरतपुर, नेचुरल फ्रूट प्रा.लि. लखनऊ से वसूली के लिए राजकुमार की मोटर साइकिल हीरो पैसन प्रो UP 30 AM 0145 से रायबरेली, बछरावां, हैदरगढ के लिए निकला था लेकिन देर तक वापस नहीं पहुंचने पर उसके भाई ने मालिक से बात कर जनपद लखनऊ के सरोजनीनगर थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई।

इस सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक बाराबंकी डॉ0 अरविन्द चतुर्वेदी द्वारा प्रभारी निरीक्षक रामसनेहीघाट को निर्देशित किया गया और इसे चैलेंज के तौर पर दिया गया कि गुमशुदा व्यक्ति के विषय में साक्ष्यों को एकत्रित करते हुए बरामदगी का प्रयास करें क्योकि मोटर साइकिल व हेलमेट बाराबंकी जनपद से प्राप्त हुआ है तो उसको सकुशल बरामद करना हमारी कटिबद्धता है । प्रभारी निरीक्षक रामसनेहीघाट द्वारा चैलेंज को स्वीकारते हुए उक्त घटना से सम्बन्धित सारे साक्ष्यों को एकत्रित किये जाने लगा । डिजिटल साक्ष्यों की मदद से चन्द्रशेखर की स्थिति जानने का प्रयास किया जाने लगा । इन सब में सर्वप्रथम एक प्रश्न यह उठा कि चन्द्रशेखर द्वारा ले जाई गई मोटरसाइकिल बाराबंकी के थाना रामसनेहीघाट क्षेत्र में कैसे आयी, इस विषय में राजकुमार व अन्य लोगों द्वारा बताया गया कि चन्द्रशेखर का सन्तोष नामक व्यक्ति से व्यापारिक सम्बंध था, जो भगवानपुर गांव का ही रहने वाला है । इसके अलावा उसके व्यापारिक सम्बन्ध थाना जैदपुर क्षेत्रान्तर्गत कई स्थानों पर था, जहां से लोगों से पूछताछ कर चन्द्रशेखर के विषय में साक्ष्य एकत्रित किये जा रहे थे लेकिन महत्वपूर्ण जानकारी नहीं प्राप्त हुई । डिजिटल साक्ष्य के आधार पर भी उसका अन्तिम लोकेशन उसके द्वारा बताये गये स्थान ट्रांसपोर्ट नगर लखनऊ का ही आया था, उसके बाद से ही मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था लेकिन अन्तिम लोकेशन ट्रांसपोर्ट नगर जनपद

लखनऊ का मिला और उसकी मोटर साइकिल और हेलमेट थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी से प्राप्त हुआ । इससे उपरोक्त घटना क्रम बहुत ही पेचेंदगी भरा हो गया था ।

इसी बीच दिनांक-22/10/2020 को डिजिटल डेटा के आधार पर महत्तवपूर्ण सफलता मिली, जिसमें पाया गया कि चन्द्रशेखर उपरोक्त का मोबाइल प्रयागराज रेलवे स्टेशन के पास कुछ समय के लिए ऑन हुआ और उस पर आधार सम्बंधी दो भी मैसेज आए थे । उक्त सूचना प्रभारी निरीक्षक रामसनेहीघाट के लिए महत्वपूर्ण थी, जिस आधार पता चला कि चन्द्रशेखर द्वारा अपने आधार कार्ड को स्कैन कर एक नया सिम कार्ड (नया नम्बर) लिया गया था, उक्त नये नम्बर की लोकेशन जनपद वाराणसी दिख रहा था । इस पर पुलिस टीम द्वारा जनपद वाराणसी जाकर टावर के लोकेशन के आधार पर चेकिंग की गई । पुलिस टीम द्वारा सर्विलांस और लोकल लोगों से पूछताछ एवं अथक प्रयास करने के उपरान्त चन्द्रशेखर उपरोक्त को हनुमानघाट जनपद वाराणसी से सकुशल बरामद किया । चन्द्रशेखर ने शुरूआती पूछताछ में बताया कि मैने 5,60,500/- रूपये वसूले और एक लाख राजकुमार को दिया मेरे पास 4,60,000/- रूपये थे जैसे ही मै कम्पनी के गेट के पास पहुंचा किसी ने मुझे पीछे से धक्का दिया और मै गिर गया फिर मुझे कुछ याद नहीं मै कैसे प्रयागराज गया और कैसे बनारस पहुंचा?

इसके उपरांत चन्द्रशेखर उपरोक्त के बैग की तलाशी लेने पर बैग के अंदर भिटरिया से अयोध्या जाने का बस टिकट और अयोध्या से प्रयागराज जाने का भी बस टिकट बरामद हुआ पुनः उसे दिखाकर कड़ाई से पूछताछ करने पर बताया कि इसने उस दिन कुल वसूली 1,20,000/- की और एक लाख राजकुमार को दे दिया मात्र बीस हजार इसके पास था । इसके बताने के बाद पुलिस टीम द्वारा जिससे पैसे उस दिन लिए थे, उनसे बात की गयी तो सत्य पाया गया । इसके बड़े भाई ने पैसे की वसूली के लिए इसे एक दिन पहले डांटा था और उसे कई जगह पेमेंट करना था तो वह डर गया था और सबको 5,60,500/- की वसूली करना बता दिया जबकि वसूली हो नहीं पाई थी तो वह नेचुरल फ्रूट प्रा.लि. लखनऊ तक गया और फिर बाहर से डर कर वापस आ गया । इसके बाद चन्द्रशेखर भगवानपुर थाना रामसनेहीघाट जनपद बाराबंकी के पास पहुंचा तो उसे ठंड लगने लगी तो मोटरसाइकिल वहीं रख दिया और बस से अयोध्या और फिर प्रयागराज उसके बाद वाराणसी भाग गया । चन्द्रशेखर उपरोक्त को बाराबंकी पुलिस द्वारा सकुशल बरामद करते हुए थाना सरोजनीनगर लखनऊ को सुपुर्द किया गया ।